मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BHDC–105

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी (सी. बी. सी. एस.)

(बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एच.डी.सी.–105 : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **पहला** प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास

कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास

कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त
कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त।
दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन के ऊपर कई दिनों के बाद।

(ख) स्वर्ग का सम्राट को जाकर खबर कर दे,
रोज ही आकाश चढ़ते जा रहे हैं वे,
रोकिये, जैसे बने इन स्वप्नवालों को,
स्वर्ग की ही ओर बढ़ते आ रहे हैं वे।

(ग) द्वीप हैं हम।
यह नहीं शाप। यह अपनी नियति है।
हम नदी के पुत्र हैं। बैठे नदी के क्रोड में।
वह वृहद् भूखण्ड से हमको मिलाती है।
और वह भूखण्ड
अपना पितर है।

(घ) निकल गली से तब हत्यारा

आया उसने नाम पुकारा

हाथ तौलकर चाकू मारा

छूटा लोहू का फव्वारा

कहा नहीं था उसने आखिर उसकी हत्या होगी

भीड़ ठेलकर लौट गया वह

मरा पड़ा है रामदास यह।

(ङ) यह कितना अद्‌भुत है

कि बाढ़ चाहे जितनी भयानक हो

उन्हें पानी में थोड़ी–सी जगह जरूर मिल जाती है

थोड़ी–सी धूप

थोड़ा–सा आसमान

फिर वे गाड़ देते हैं खम्भे

तान देते हैं बोरे

उलझा देते हैं मूँज की रस्सियाँ और टाट

पानी में घिरे हुए लोग

अपने साथ ले आते हैं पुआल की गंध

वे ले आते हैं आम की गुठलियाँ

खाली टिन

भुने हुए चने

वे ले आते हैं चिलम और आग।

2. प्रगतिवाद की अन्तर्वस्तु पर प्रकाश डालिए। 16

3. नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए। 16

4. समकालीन कविता की काव्यगत और संवेदनागत विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 16

5. हिन्दी कविता में नागार्जुन का महत्व निर्धारित कीजिए। 16

6. माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य के शिल्पपक्ष पर प्रकाश डालिए। 16

7. अज्ञेय की काव्य–संवेदना को उद्‌घाटित कीजिए। 16

8. भवानी प्रसाद मिश्र का परिचय देते हुए उनकी काव्यानुभूति और मूल्य–दृष्टि का विवेचन कीजिए। 16

9. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्यगत विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। 16

10. केदारनाथ सिंह की कविता 'बाघ' का महत्व निर्धारित कीजिए। 16

× × × × ×